# अमरत्व
## शिक्षक सहायक पुस्तिका–3

## पाठ 1. प्रार्थना

- **पाठ उद्देश्य**–ईश्वर के प्रति आस्था की भावना। सत्य, मान, सरलता, नैतिकता और मर्यादा आदि गुणों का महत्त्व बताना।
- **पाठ सार**–इस कविता में सत्य के मार्ग पर चलने और छल न करने की प्रार्थना की गई है। चतुर और ज्ञानवान, बनाने, मान बनाए योग्य धन देने, नैतिक मार्ग पर चलने, मर्यादायों का पालन करने और प्रभु का ध्यान करने की प्रार्थना की गई है।

### पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) अनुपम प्रियदर्शी
   (ख) कवि किसी को छल न सकने का साहस चाहता है।
   (ग) कवि इतना चतुर बनना चाहता है जिससे संसार सरल लगे।
   (घ) कवि नैतिकता के मार्ग पर चलना चाहता है।
2. (क) कवि ऐसा ज्ञान नहीं चाहता जिससे सरलता विष के सामन लगे।
   (ख) कवि ऐसी प्रभुता पाना चाहता है जिससे भगवान की ओर ध्यान लगा रहे।
   (ग) इन पंक्तियों में उतना ही धन प्राप्त करना चाहता है जिससे मान-सम्मान बना रहे।
3. अतुल बल देना, सदा सत्य पर, इतना साहस, कभी, बनाना मुझको, सारी दुनिया, लेकिन वैसा ज्ञान देना, जिसे सरलता सरल लगे।

4. (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✓
(घ) ✓ (ङ) ✓

5. तुझको, वैसा, ममता, लक्षित, पालन, सफलता।

## पाठ 2. अपना काम स्वयं करें

- **पाठ उद्देश्य**–अपने कार्य स्वयं करने की प्रेरणा देना।
- **पाठ सार**–कोलकाता स्टेशन पर कोट-पैंट पहने हुए एक युवक उतरकर कुली की प्रतीक्षा कर रहा था। उसे धोती-कुरता पहने साधारण-सा व्यक्ति दिखाई दिया। युवक ने उसे कुली समझकर सामान ले चलने के लिए कहा। दोनों बाहर आए। युवक ने घोड़ागाड़ी वाले से विद्यासागर के घर चलने के लिए कहा। घोड़ागाड़ी चालक विद्यासागर के घर नहीं जानता था। साधारण से व्यक्ति ने कहा कि वह उसे विद्यासागर के घर ले चलेगा। दोनों घर पहुँचे तो साधारण से व्यक्ति ने पूछा कि उसे विद्यासागर से क्या काम है? वही विद्यासागर है। युवक बहुत लज्जित हुआ। विद्यासागर ने समझाया कि अपना काम स्वयं करना चाहिए।

### पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) गाड़ी कोलकाता स्टेशन पर रुकी।
   (ख) नवयुवक ने कोट-पैंट पहन रखे थे।
   (ग) साधारण दिखने वाले युवक ने पैरों में साधारण-सी चप्पलें पहनी हुई थीं?
   (घ) नवयुवक घोड़ागाड़ी द्वारा विद्यासागर जी के घर पहुँचा।
2. (क) बैग लेकर जाने वाले आदमी ने साधारण-से वस्त्र पहने हुए थे, इसलिए नवयवुक ने उसे कुली समझा।

(ख) नवयुवक को विद्यासागर जी के घर साधारण-सा दिखाई देने वाला आदमी ले गया।

(ग) उस युवक को पता चला कि साधारण-से दिखने वाले जिस व्यक्ति को उसने कुली समझा था, वास्तव में वे विद्यासागर जी थे। तब उसका सिर लज्जा से झुक गया।

3. (क) कोलकाता (ख) बैग
   (ग) धोती-कुरता (घ) विद्यासागर जी ने
4. (क) प्रतीक्षा (ख) बैग
   (ग) आश्चर्य (घ) घोड़ा-गाड़ी
   (ङ) ध्यान
5. (क) नवयुवक ने साधारण-से दिखने वाले आदमी से कहा।
   (ख) नवयवुक ने घोड़ागाड़ी वाले से कहा।
   (ग) विद्यासागर जी ने नवयुवक से कहा।

## पाठ 3. औषधीय पेड़ (नीम)

- **पाठ उद्देश्य–**पेड़ों और औषधीय पेड़ों की विशेषताओं से अवगत कराना।
- **पाठ सार–**माँ पुत्र को बताती है कि पेड़ कार्बन-डाई-ऑक्साइड लेकर ऑक्सीजन देते हैं। औषधीय पेड़ों का अर्थ दवाइयों के गुणों वाले पेड़ होता है। नीम औषधीय पेड़ है। इसकी पत्तियों को उबालकर पीने से पेट के कीड़े मर जाते हैं। इन पत्तों को सुखाकर कीटनाशक बनते हैं। इसकी छाल से दवाइयाँ बनती हैं।

### पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) नीम का पेड़ बहुत पुराना था।

(ख) रवि ने पेड़ काटने के लिए इसलिए कहा क्योंकि उसमें उसकी पतंग फँस जाती थी।

(ग) नीम की पत्तियों को सुखाकर कीटनाशक बनाए जाते हैं।

(घ) नीम के फल को निबौरी कहते हैं।

2. (क) नीम की दातुन करने से दाँत मज़बूत रहते हैं।

(ख) नीम की पत्तियों को उबालकर पीने से पेट की कीड़े मर जाते हैं। इसकी पत्तियों को सुखाकर कीटनाशक बनते हैं। इसकी छाल से भी कई दवाइयाँ बनती हैं।

(ग) बीज के पेड़ से हमें ऑक्सीजन मिलती है। नीम के आस-पास के कई कीटाणु मर जाते हैं। इसका प्रयोग अनेक दवाओं और प्रसाधनों में किया जाता है।

3. (क) ✗ (ख) ✓

(ग) ✓ (घ) ✗

(ङ) ✓

4. (क) मम्मी ने रवि से कहा। (ख) रवि ने मम्मी से कहा।

(ग) मम्मी ने रवि से कहा। (घ) मम्मी ने रवि से कहा।

(ङ) रवि ने मम्मी से कहा।

5. वृद्धा, त्यागी, बुढ़ापा, वीरता, लोभी।

6. धोकर, सोकर, जोकर।

## पाठ 4. गाँधी जी का गुड़

◆ **पाठ उद्देश्य**–दूसरों को समझाने से पूर्व स्वयं को समझाना चाहिए।

◆ **पाठ सार**–एक बालक बहुत अधिक गुड़ खाता था। माँ उसे

महात्मा गाँधी के पास लेकर आई। उसने महात्मा गाँधी से अनुरोध किया कि उसके बेटे को अधिक गुड़ न खाने के लिए समझाएँ। गाँधी जी ने उस महिला को एक सप्ताह के पश्चात् बुलाया। जब महिला एक सप्ताह के पश्चात् आई तो गाँधी जी बालक को समझाया कि अधिक गुड़ नहीं खाना चाहिए। महिला ने कहा कि यह बात तो आप सप्ताह पूर्व भी कह सकते थे। गाँधी जी ने कहा कि एक सप्ताह पूर्व वे भी बहुत गुड़ खाते थे। उन्होंने पहले स्वयं पर नियंत्रण किया, तब समझाया था।

## पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) महिला गाँधी जी से अपने पुत्र के विषय में मिलना चाहती थी।

   (ख) बेटे को अधिक गुड़ खाने की आदत पड़ गई थी।

   (ग) गाँधी जी का सबसे बड़ा गुण था कि वे पहले अपनी गलतियों को सुधारते थे फिर दूसरों को वैसी गलती न करने के लिए कहते थे।

   (घ) महिला ने बताया कि उसका बेटा बहुत अधिक गुड़ खाता था।

2. (क) गाँधी जी ने समझाया कि ज़्यादा गुड़ खाना बुरी बात है। उसे ऐसा नहीं करना चाहिए।

   (ख) जब गाँधी जी ने महिला को एक सप्ताह के पश्चात् आने के लिए कहा तो वह असमंजस में पड़ गई।

3. अधैर्य, उद्दंडता, स्पष्टता, विस्तृत, कम, अनैतिक।

4. (क) महिला ने महात्मा गाँधी से कहा।

   (ख) महात्मा गाँधी ने बेटे से कहा।

5. [5] [4] [2] [1] [3]

6. (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✗
(घ) ✗ (ङ) ✗

## पाठ 5. भारत माँ का वीर सपूत

- **पाठ उद्देश्य**–स्वतंत्रता सेनानी नेता जी सुभाषचंद्र बोस के जीवन से अवगत करना।
- **पाठ सार**–सुभाष चंद्र बोस का जन्म 23 जनवरी 1847 को जानकीनाथ बोस और प्रभावती के यहाँ हुआ था। उन्होंने इंग्लैंड से आई. सी. एस. की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। उन्होंने देश को स्वतंत्र कराने के लिए 'आज़ाद हिंद फ़ौज' बनाई। उनका प्रसिद्ध नारा था–तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आज़ादी दूँगा। बूढ़ी भिखारिन की सहायता करने के लिए वे पैदल कॉलेज जाने लगे। बचाए गए पैसों से वे वृद्धा की सहायता करने लगे।

### पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) सुभाष चंद्र बोस का जन्म ओडिशा के कटक नगर में हुआ था।
   (ख) सुभाष चंद्र बोस के पिता जानकीनाथ बोस वकील थे।
   (ग) सुभाष चंद्र बोस पढ़ने-लिखने में बहुत अच्छे थे।
3. बदनाम, अनिश्चय, तरल, असक्रिय।
4. (क) स्वतंत्रता हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है।
   (ख) अश्विन मशहूर खिलाड़ी है।
   (ग) स्वच्छता-अभियान में सबने योगदान किया।
   (घ) सुभाष ने भिखारिन की सहायता की।
   (ङ) बचपन के दिन सबसे अच्छे होते हैं।

5. उत्तर प्रदेश, केरल, बिहार।

6. चेन्नई, मोहाली, लखनऊ, मेरठ, भोपाल।

7. भगत सिंह, चंद्रशेखर आज़ाद, भाई परमानंद, सरदार वल्लभ भाई पटेल।

8. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

9. (क) सुभाष चंद्र बोस (ख) आज़ाद हिंद
   (ग) जय हिंद (घ) तीन किलोमीटर
   (ङ) विशेषता।

## पाठ 6. कोयल

- **पाठ उद्देश्य**–कोयल और उसके मधुर स्वर से अवगत कराना।
- **पाठ सार**–काली कोयल अपनी मीठी आवाज़ से आमों में मिश्री घोल देती है। कोयल बहुत दिनों के पश्चात् डाली पर आई है। कवयित्री पूछती है कि गाकर क्या तुम बादलों से प्यासी धरती के लिए पानी माँगती हो? क्या तुमने यह मिठास अपनी माँ से पाई है? क्या माँ ने तुम्हें यह मीठी बोली सिखलाई है?

### पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) कोयल की बोली मीठी होती है।
   (ख) सुभद्राकुमारी चौहान।
   (ग) कोयल काले रंग की होती है। वह आमों के मौसम में कूकती है।
   (घ) कोयल ने आमों में मिश्री घोल दी है।

2. (क) कोयल मेघों से प्यासी धरती के लिए वर्षा माँगती है।
   (ख) कोयल की मीठी बोली सुनकर मन प्रसन्न हो जाता है।

(ग) कोयल बहुत मीठा गाती है इसलिए उसे 'चिड़ियों की रानी' कहते हैं।

3. (i) किसे बुलाती, बतला दो, देख माँगती, मेघों से पानी, अपनी माँ से।

(ii) (क) काली (ख) मीठा (ग) पानी (घ) माँ।

(iii) कोयल, संदेशा, मेघ, मिठास, मीठी, बहुत।

4. (क) मिसरी ✓ (ख) माँ ने ✓

(ग) पानी ✓ (घ) मीठी ✓

5. (क) खीर बहुत मीठी है।
(ख) मेघ आकाश में छा गए।
(ग) भाई का संदेशा आया है।
(घ) बारिश में धरती भीग गई।

6. दिवस, वार। पृथ्वी, भूमि। बादल, वारिद।

## पाठ 7. गोपाल कृष्ण गोखले

◆ **पाठ उद्देश्य**–गोपाल कृष्ण गोखले के बाल्यकाल, स्वतंत्रता आंदोलन और समाज सुधार के कार्यों से अवगत कराना।

◆ **पाठ सार**–विद्यार्थी के रूप में गोपाल कृष्ण गोखले ने कठिन प्रश्न को हल कर दिया। अध्यापक उन्हें पुरस्कार देने लगे। बालक गोपाल कृष्ण ने सत्य बोलते हुए कहा कि उसने यह कार्य मित्र की सहायता से किया था। उसे पुरस्कार नहीं दंड मिलना चाहिए। अध्यापक ने उसकी सच्चाई से प्रसन्न होकर उसे पुरस्कार दे दिया। गोपाल कृष्ण गोखले का जन्म 9 मई 1866 को महाराष्ट्र के कोथापुर नगर में कृष्ण राव और बालू बाई के यहाँ हुआ। उन्होंने अध्यापन कार्य किया। वे कांग्रेस के नरम दल के नेता थे। वे

लोगों की सेवा करते थे उन्होंने 'सर्वेंट्ज़ ऑफ़ इंडिया सोसाइटी' के माध्यम से जन सेवा की। उनका निधन 19 फ़रवरी 1915 को हुआ।

## पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) गोपाल कृष्ण गोखले का जन्म 9 मई 1966 को महाराष्ट्र के कोथापुर नगर में हुआ। (ख) उनके पिता का नाम कृष्ण राव था। वे किसान थे। (ग) गणित के अध्यापक ने विद्यार्थियों को प्रश्न का हल करने के लिए दिया। (घ) गोपाल कृष्ण गोखले ने अपनी कॉपी शिक्षक को दी।

2. (क) बालक इसलिए रो पड़ा क्योंकि उसने प्रश्न का हल स्वयं न करके किसी मित्र की सहायता से किया था।

   (ख) रोते हुए बालक ने कहा, ''गुरु जी, चूँकि मैंने उन प्रश्नों का हल करने में ईमानदारी नहीं बरती, इसके लिए मुझे दंड मिलना चाहिए।''

   (ग) बालक के सत्य बताने पर अध्यापक उससे बहुत प्रभावित हुए।

   (घ) (i) गोपाल कृष्ण गोखले सहिष्णु और कर्मठ थे।

   (ii) वे सच्चे राष्ट्रवादी थे।

3. (क) राजा राम हाई स्कूल (ख) फफक कर

   (ग) प्रभावित (घ) सच्चाई

   (ङ) 49 वर्ष।

4. (क) महारष्ट्र में (ख) फ़रग्युसन कॉलेज

   (ग) गोपाल कृष्ण गोखले को

   (घ) अंग्रेजी और गणित (ङ) सच्चाई के लिए

5. (क) गोखले कर्मठ व्यक्ति थे।
   (ख) ईमानदारी की राह सच्ची राह है।
   (ग) शिक्षक विद्यार्थियों के मार्गदर्शक होते हैं।
   (घ) गोखले ने युवाओं को संगठित किया।
   (ङ) गोपाले कृष्ण गोखले राष्ट्रवादी थे।

4. (क) ✗ (ख) ✗ (ग) ✓
   (घ) ✓ (ङ) ✓

## पाठ 8. किसान और कुआँ

- **पाठ उद्देश्य**–ईमानदारी और बेईमानी में अंतर स्पष्ट करना। ईमानदार ही विजयी होता है, इससे अवगत कराना।
- **पाठ सार**–एक किसान को खेतों को सींचने में कठिनाई होती थी। उसके खेत के पास गाँव के सेठ का कुआँ था। उसने कुआँ खरीद लिया। अगले दिन किसान बैल लेकर कुएँ से पानी निकालने पहुँचा तो सेठ ने कहा कि उसने कुआँ बेचा था, कुएँ का पानी नहीं बेचा था। सेठ ने पानी निकालने नहीं दिया। किसान ने अकबर से शिकायत की। अकबर ने बीरबल को मामला सुलझाने के लिए कहा। बीरबल ने किसान और सेठ में हुए इकरारनामे को पढ़ा। बीरबल ने सेठ से कहा कि कुएँ पर किसान का अधिकार है। तुम उसमें से अपना पानी तुरंत निकालो नहीं तो पानी रखने का किराया देना होगा। सेठ अपने ही जाल में फँस गया था। उसने किसान से क्षमा माँगी।

### पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) किसान को फसलों की सिंचाई करने की परेशानी थी।
   (ख) किसान ने गाँव के सेठ से कुआँ खरीदा।

(ग) सेठ का कहना था कि उसने कुआँ बेचा था, कुएँ का पानी नहीं बेचा था। इसलिए उसने किसान को पानी नहीं निकालने दिया।

(घ) किसान अपनी फ़रियाद लेकर अकबर के पास गया।

2. (क) बीरबल ने किसान से कहा कि सेठ ने केवल कुआँ बेचा है, इसका पानी नहीं। इसलिए तुम पानी नहीं निकाल सकते।

(ख) बीरबल की सुनकर किसान उदास हो गया क्योंकि कुएँ के पानी पर उसका अधिकार नहीं था।

(ग) बीरबल ने सेठ को कुएँ से पानी निकालने के लिए कहा क्योंकि कुएँ पर किसान का अधिकार था।

3. (क) सेठ ने किसान से कहा। (ख) सेठ ने किसान से कहा।

(ग) बीरबल ने सेठ से कहा। (घ) बीरबल ने सेठ से कहा।

4. (ख) माँगी गई जितनी भी कीमत (ग) बुरी तरह फँसा लेना।

(ङ) एकदम सत्य (च) आश्चर्यचकित हो जाना।

5. (क) अभिनय करने वाला पुरुष • (i) देशभक्त

(ख) अभिनय करने वाली स्त्री • (ii) दुराग्रह

(ग) अनुचित बात के लिए आग्रह • (iii) चौराहा

(घ) देश से प्यार करने वाला • (iv) अभिनेत्री

(ङ) चार राहों वाला • (v) अभिनेता

(क) (v) (ख) (iv) (ग) (ii) (घ) (i) (ङ) (iii)

6. (क) अकबर–बीरबल (ख) कुआँ

(ग) सेठ जी (घ) मुँह माँगी कीमत

(ङ) कुएँ पर (च) बीरबल को।

7. (क) ✗ (ख) ✗ (ग) ✗
(घ) ✗ (ङ) ✓

8. (क) धोबी (ख) तालाब (ग) पहाड़
(घ) बादल (ङ) बैंगन

9. माली | सुनार | पौधा | लकड़ी | पत्थर
शिकायत | कारनामे

## पाठ 9. राष्ट्रीय पक्षी मोर

- **पाठ उद्देश्य**–मोर प्रजाति के विषय में बताना।
- **पाठ सार**–मोर अपने सौंदर्य के कारण भारत का राष्ट्रीय पक्षी है। वह नीले और बैंगनी रंग का होता है। वह पक्षियों में सबसे बड़ा होता है। वह वर्षा में नाचता है। उसकी आवाज़ तेज़ होती है। उसके पैर सुंदर नहीं होते।

### पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) मोर के पंख रंग-बिरंगे और शुभ होते हैं।
(ख) मोर गाँवों में, खेतों और जंगलों में रहता है।
(ग) मोर के शरीर का रंग चटक नीला और बैंगनी होता है।
(घ) हरे रंग की प्रजाति इंडोनेशिया और म्यंमार में पाई जाती है।

2. (क) मोर को लोग उसके सौंदर्य के कारण पसंद करते हैं।
(ख) भगवान कृष्ण द्वारा अपने मुकुट में लगाए जाने के कारण मोर के पंखों को शुभ माना जाता है।
(ग) मोर बहुत सुंदर होता है परंतु उसके पैर बदसूरत होते हैं, इसे भाग्य की विडंबना कहा जाता है।

3. (क) भारत में ✓ (ख) कीड़े-मकोड़े ✓
   (ग) जंगलों और पेड़ों पर ✓
   (घ) इंडोनेशिया ✓

4. सुगमता, समता।

5. (क) मोर (ख) चटक, बैंगनी (ग) पसंद
   (घ) बहुत तेज़ (ङ) सुंदर।

6. (क) ना (ख) ना (ग) हाँ (घ) हाँ (ङ) ना (च) हाँ

7. (i) मैं खाना खाऊँगा। (ii) आकाश में पक्षी पड़ रहे हैं।
   (iii) मैं थक गई हूँ। (iv) बारिश में मत भीगो।
   (v) बस्ते में पुस्तक रखो।

## पाठ 10. मेरी अभिलाषा

- **पाठ उद्देश्य**–व्यक्ति की विभिन्न अभिलाषाओं से परिचित कराना। कविता के सौंदर्य पक्ष को समझाना।
- **पाठ सार**–मेरी अभिलाषा है कि मैं सूरज सा दमकूँ, चाँद-सा चमकूँ, तारों-सा दमकूँ। मेरी अभिलाषा है कि मैं फूलों-सा महकूँ, पक्षियों की तरह चहकूँ, कोयल के समा कुहकूँ और वनों-उपवनों में अपना स्वर गुँजा दूँ। मेरी अभिलाषा है कि मैं आकाश से निर्मलता लूँ, चाँद से शीतलता लूँ और धरती से सहनशीलता लूँ। मैं पर्वतों से दृढ़ता लूँ। मेरी अभिलाषा है कि मैं बादलों-सा बरसकर मिट जाऊँ, सागर के समान लहराऊँ, सेवा के मार्ग पर फूलों के समान बिछ जाऊँ।

### पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) इस कविता के कवि द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी हैं।

(ख) कवि चाँद के समान चमकना चाहता है।

(ग) कवि तारों के समान दमकना चाहता है।

(घ) कवि ने ऐसा इसलिए कहा है क्योंकि कोयल का स्वर बहुत मधुर होता है। कवि चाहता है कि वह कोयल के समान मधुर स्वरों से वनों और उपवनों को गुँजा दे।

2. (क) कवि सेवा के रास्ते पर फूलों के समान बिछ जाना चाहता है।

(ख) कवि धरती के समान सहनशील बनना चाहता है।

(ग) कवि चाँद के समान चमकना दमकना, फूलों के समान महकना ओर पक्षियों के समान चहकना चाहता है।

3. (ख) पुष्प, सुमन (ग) पक्षी, पखेरू

(घ) पिक, कोकिला (ङ) अचल, पहाड़

(च) पृथ्वी।

4. दमकूँ, चमकूँ, महकूँ, चहकूँ, कुहकूँ।

5. तारे, रातें, किताबें, रास्ते, बिंदियाँ, आँखें, झूले।

6. चालाक, प्रसन्न, कक्षा, गुलाब, ऋतु, रुपया, गिलास, मिठाई, क्योंकि।

7. कामचोर, शाकाहारी, अनपढ़, फलाहारी।

8. तत्सम–उज्ज्वल, अभिलाषा, विहंगों।

तद्भव–सूरज, चंदा, धरती।

# पाठ 11. ऊँट और गीदड़

◆ **पाठ उद्देश्य**–विद्यार्थियों को समझाना कि बुराई का परिणाम बुरा होता है।

◆ **पाठ सार**–ऊँट और गीदड़ गहरे मित्र थे। भोजन की तलाश में गए। उन्हें नदी के पार खरबूज़ों का खेत दिखा। गीदड़ ऊँट की पीठ पर बैठ गया। दोनों ने नदी पार की। दोनों ने खरबूज़े खाए। ऊँट खा ही रहा था कि गीदड़ का पेट भर गया। गीदड़ को शरारत सूझी। वह ज़ोर-ज़ोर से चीखने लगा। ऊँट ने मना किया। गीदड़ ने कहा कि भोजन करके वह चीखता है। खेत का मालिक किसान दौड़ा-दौड़ा आया। गीदड़ छिप गया। किसान ने ऊँट को बहुत मारा। घायल ऊँट नदी के किनारे पहुँचा। गीदड़ भी आ गया। गीदड़ ने ऊँट से क्षमा माँगी। ऊँट खामोश रहा। गीदड़ को तैरना नहीं आता था। ऊँट ने उसे पीठ पर बिठा लिया। नदी के बीच पहुँचकर ऊँट लोटने लगा गीदड़ ने कहा वह ऐसा न करे। ऊँट ने कहा कि भोजन करके वह अवश्य लोटता है। ऊँट के ऐसा करते ही गीदड़ नदी के तेज़ बहाव में बह गया।

## पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) ऊँट और गीदड़ जंगल में रहते थे।
   (ख) गीदड़ को तैरना नहीं आता था।
   (ख) ऊँट ने गीदड़ को पीठ पर बैठने के लिए कहा।
   (घ) गीदड़ ऊँट की पीठ पर बैठ गया। इस प्रकार दोनों ने नदी पार की।

2. [5] [4] [3] [2] [1]

3. (क) ऊँट ने गीदड़ से कहा।
   (ख) ऊँट ने गीदड़ से कहा।

(ग) गीदड़ ने ऊँट से कहा।

(घ) ऊँट ने गीदड़ से कहा।

4. डरना, खेलना, कहना, बैठना, चलना, उतरना।

5. (क) (i) वर्तमान काल (ख) (ii) भविष्यत् काल

(ग) (iii) भूतकाल (घ) (iv) भूतकाल

(ङ) (v) भूतकाल

6. (क) गीदड़ चीखने लगा।

(ख) ऊँट ने उसे चीखने से मना किया।

(ग) किसान ने आकर ऊँट को बहुत मारा।

(घ) इस कहानी से शिक्षा मिलती है कि मित्र के साथ धोखा नहीं करना चाहिए।

7. (क) गीदड़ को तैरना नहीं आता था।

(ख) चीखकर गीदड़ ने गलती की।

(ग) हम प्रभु से विनती करते हैं।

(घ) गीदड़ नदी के तेज़ बहाव में बह गया।

(ङ) सुख-दु:ख में संतुलन बनाए रखना चाहिए।

## पाठ 12. हमारा देश

◆ **पाठ उद्देश्य**–भारत की विशेषताओं से परिचित कराना।

◆ **पाठ सार**–भारत के कई नाम हैं–इंडिया, आर्यावर्त, हिंदुस्तान। पराक्रमी राजा भरत के नाम से हमारे देश का नाम भारत पड़ा। भारत में 28 राज्य और 8 केंद्र शासित प्रदेश हैं। इसकी राजधानी दिल्ली है। भारत के उत्तर में हिमालय, पूर्व में बंगाल की खाड़ी, पश्चिम में अरब सागर, दक्षिण में हिंद महासागर हैं। भारत की

प्रसिद्ध नदियाँ हैं सिंधु, झेलम, गंगा, यमुना, गोदावरी, महानंदा, नर्मदा, ब्रह्मपुत्र आदि। भारत का राष्ट्रीय पशु बाघ है, राष्ट्रीय पक्षी मोर है, राष्ट्रीय फूल कमल है, राष्ट्रीय फल आम है, और राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा है, राष्ट्र-गान जन-गण-मण है, राष्ट्र-गीत वंदेमातरम है, अशोक स्तंभ राजकीय चिह्न है।

## पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) भारत के पराक्रमी राजा भरत के नाम पर हमारे देश का नाम भारत पड़ा।
   (ख) प्राचीन काल में भारत आर्यावर्त और हिंदुस्तान नाम से जाना जाता था।
   (ग) हमारे देश की प्रसिद्ध नदी गंगा है।
   (घ) राष्ट्र-गान के रचयिता रवींद्रनाथ टैगोर हैं।
   (ख) सारनाथ में, इसमें चार शेर हैं।
2. (क) हमारा राष्ट्रीय-गीत वंदेमातरम् है। इसके रचयिता बंकिमचंद्र चटर्जी हैं।
   (ग) 'सत्यमेव जयते का अर्थ है- सत्य की विजय होती है।
3. (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✗
   (घ) ✗ (ङ) ✓
4. प्रसिद्ध-अप्रसिद्ध, प्राचीन-नवीन, पराक्रमी-शक्तिहीन
   सत्य-असत्य, विजय-हार, धर्म-अधर्म।
5. (क) छक्के छुड़ा दिए-हरा दिया।
   (ख) एक न चली-असर नहीं पड़ा।
   (ग) नौ दो ग्यारह हो गया-भाग गया।
   (घ) अपना-सा मुँह लेकर रह गया-लज्जित हो गया।
   (ङ) आँखों का तारा-बहुत प्यारा।

6. (क) दिल्ली (ख) तीन
(ग) अशोक चक्र (घ) 24 तीलियाँ
(ङ) रवींद्रनाथ टैगोर (च) मोर
(घ) रुपया (ज) क्रिकेट
(झ) सत्यमेव जयते (ञ) घोड़ा।

7. (क) **पढ़ता हूँ**–मैं पुस्तक पढ़ता हूँ।
(ख) **खेलते हैं**–खिलाड़ी खेलते हैं।
(ग) **हो रही है**–रनों की बौछार हो रही है।
(घ) **जा रहे हैं**–दादा जी सैर करने जा रहे हैं।
(ङ) **खा रहा है**–स्वामीनाथन डोसा खा रहा है।

## पाठ 13. बिना विचारे सो करे सो पाछे पछताए

- **पाठ उद्देश्य**–बिना सोचे-समझे कोई भी कार्य नहीं करना चाहिए, इस विचार से अवगत कराना।
- **पाठ सार**–देव शर्मा के यहाँ पुत्र हुआ उसी दिन उनके घर में नेवले का भी जन्म हुआ। देवशर्मा की पत्नी ने नेवले को भी प्यार से पाला। एक दिन देवशर्मा की पत्नी पानी भरने गई। उसने पति को पुत्र की देख-रेख करने के लिए कहा। देवशर्मा ने सोचा कि नेवले और उसके पुत्र में मित्रता है। वह निश्चिंत होकर किसी काम से चला गया। एक काला नाग बिल से निकला। नेवले ने सोचा वह कहीं उसके स्वामी के पुत्र को मार न दे, यह सोचकर उसने नाग को मार दिया। वह उत्साहित नेवला उधर चल पड़ा जिधर देवशर्मा की पत्नी गई थी। नेवले की खून भरी देह देखकर देवशर्मा की पत्नी ने सोचा कि उसने उसके पुत्र को मार दिया था। उसने बिना विचारे पानी भरा घड़ा नेवले पर फेंक दिया। नेवला मर गया। वह

घर पहुँची तो उसने देखा कि उसका पुत्र शांति से सोया हुआ था और कुछ दूरी पर नाग मरा पड़ा था। उसे भूल का ज्ञान हुआ। अब क्या हो सकता था!

## पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) वह दयालु स्वभाव की थी।
   (ख) नेवला देवशर्मा के पुत्र के साथ बोलता था।
   (ग) वह सोचती थी कि कहीं कहीं नेवला उसके पुत्र को काट न खाए।
   (घ) वह देवशर्मा से कह गई कि वह पुत्र का ध्यान रखे।
   (ङ) पुत्र को शांतिपूर्वक सोते देखकर उसे पश्चाताप हुआ कि उसने नेवले को क्यों मार दिया था।
   (च) इस कहानी से शिक्षा मिलती है कि बिना सोचे कार्य नहीं करना चाहिए।
2. (क) 1 ✓ (ख) 2 ✓ (ग) 3 ✓
3. (क) बिल से काला नाग निकल आया।
   (ख) नेवले ने उसे माल दिया।
   (ग) देवशर्मा की पत्नी ने उस पर पानी से भरा घड़ा फेंक दिया।
   (घ) बिना विचार किए तो कार्य करता है, उसे पश्चाताना पड़ता है।
4. (क) नेवले (ख) पुत्र के साथ (ग) प्रेम
   (घ) काला नाग, बाहर (ङ) पश्चाताप।
5. विद्वान, घृणा, रात, अप्रसन्न, कायरता, मरण।
6. (क) पेड़, तक (ख) भुजंग, विषधर

(ग) संसार, विश्व (घ) भार्या, वधू

(ङ) बेटा, आत्मज।

7. (क) नेवले ने काले नाग को बिल से निकलते देखा।

(ख) नेवले ने काले नाग पर हमला किया।

(ग) नेवले ने काले नाग को मार डाला।

8. (क) प्रेमपूर्ण (ख) पुत्र ने

(ग) काला (घ) घड़ा

(ङ) नाग का।

9. दयालु, मूर्खतावश, अनिष्ट, जलाशय, शरीर, स्वामिनी।

## पाठ 14. नन्हा बीज

◆ **पाठ उद्देश्य**–1. बीज से वृक्ष बनने की प्रक्रिया से अवगत कराना। 2. वृक्ष की उपयोगिता बताना।

◆ **पाठ सार**–हवा ने छोटे से बीज को लाकर मिट्टी में बोया। बीज अंकुरित हुआ। उसे दुनिया दिखाई दी। खाद, पानी पाकर अंकुर बढ़ा। उसका तना बना, टहनियाँ और पत्ते आए, फूल मुस्काए। नन्हा बीज वृक्ष बन गया। व्यक्ति जीता है, मर जाता है, बीमार होता है। दु:ख आने पर रोता है। वृक्ष साँस लेता है, बढ़ जाता है, जागता और सोता है। प्रतिदिन शाम को चिड़ियाँ आकर वृक्ष पर सो जाती हैं। प्रात: बहुत जल्दी जागकर वे चीं-चीं-चीं करके वृक्ष को जगाती हैं। वृक्ष की छाया होती है तो टोलियाँ आकर वृक्ष के नीचे बैठ जातीं। वे वृक्ष के नीचे बैठकर भाँति-भाँति के खेल खेलते।

### पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) अंकुर मिट्टी में सोया था।

(ख) हवा ने एक जगह नन्हा बीज बोया था।

(ग) खाद और पानी मिलने से बीज में जीवन आया।

(घ) बीज बड़ा होकर वृक्ष बन गया।

2. (क) चिड़ियाँ वृक्ष पर रात बिताती हैं। वे सवेरे-चीं-चीं-चीं करके वृक्ष को जगाती हैं।

(ख) वृक्ष प्राणियों के समान साँस लेता है, बड़ा होता है, जागता है और सोता है।

(ग) टोलियाँ वृक्ष के नीचे बैठकर भाँति-भाँति के खेल खेलती हैं।

3. (ग) भूमि, पृथ्वी (घ) पेड़, पादप

(ङ) पवन, वायु (च) विश्व, संसार।

4. (क) अधिक, स्वस्थ, नीचे, दु:ख, घटता, सुबह।

5. अंकुर, सोया; नन्हा बीज, लाकर; बाहर आया, पड़ी।

6. चाँद, मंगल, शांत, आँगन, हँसी, आँख, संकट, मंत्र, साँस, बढ़ा, डालियाँ, चिड़ियाँ।

7. आसन–सहज, आसन–बैठने की वस्तु

अभय–निडर, उभय–दोनों

कंगाल–दरिद्र, कंकाल–हड्डियों का ढाँचा।

## पाठ 15. छिपे खज़ाने की कहानी

- **पाठ उद्देश्य–**आलस्य और परिश्रम में अंतर स्पष्ट कराना।
- **पाठ सार–**एक किसान के चार आलसी बेटे थे। वे जवान और हट्टे-कट्टे पर कामचोर थे। किसान ने उन्हें सुधारने का निश्चय किया। उसने कहा कि वह तीर्थ-यात्रा पर जा रहा है। एक वर्ष बाद लौटेगा। आवश्यकता पड़ने पर खेत में गाड़े घड़े में से धन निकाल

लेना। किसान चला गया। अगले दिन चारों भाई कुदाल लेकर खेत में पहुँचे। वे कई दिनों तक खेत को खोदने में लगे रहे परंतु धन का घड़ा नहीं मिला। एक दिन वे उदास बैठे थे तो पड़ोसी ने कहा, जब खेत खोद दिया है तो इसमें बीज डाल दो। चारों भाइयों ने उसमें गेहूँ बो दिया। वे खूब परिश्रम करते। खेत में खाद-पानी देते। कुछ ही दिनों में खेत में फसल लहलहाने लगी। एक दिन किसान लौट आया। खेत में तैयार फसल को देखकर उसने बेटों से कहा, ''तुमने खज़ाना ढूँढ़ ही लिया।'' चारों भाइयों को मेहनत के खज़ाने का पता चल गया था।

## पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) किसान के बेटे आलसी थे। इसलिए किसान परेशान था।
   (ख) किसान ने कहा कि धन की आवश्यकता पड़े तो खेत में गड़े धन के घड़े से धन लेना।
   (ग) उन्होंने सारा खेत खोद डाला था पर धन से भरा घड़ा नहीं मिला था।
   (घ) बेटों ने धन से भरे घड़े की तलाश में खेत की खुदाई की।
2. (क) पड़ोसी किसान से समझाया कि जब खेत खोद ही डाला है तो इसमें बीज डाल दो।
   (ख) किसान ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि उसके बेटों ने परिश्रम करके फसल उगा ली थी।
3. | 5 | 3 | 2 | 4 | 1 |
4. (क) चारों भाइयों ने बहुत मेहनत की।
   (ख) किसान खेती करता था।
   (ग) मिट्टी में बीज बोए।
   (घ) किसान घर पहुँचा।

(ङ) खेत बड़ा था।

(च) आलस्य नहीं करना चाहिए।

5. (क) (पंखा) (ख) (गया)

(ग) (आनंद) (घ) (शशि)

(ङ) (सिलाई)

6. (क) वह अच्छी अभिनेत्री है।

(ख) शिक्षिकाएँ कक्षा में पढ़ा रही हैं।

(ग) बैल घास खाता है।

(घ) रानियाँ महलों में रहती हैं।

(ङ) बालिकाएँ खेलती हैं।

7. **स्त्रीलिंग**–बिल्ली, मोरनी, मछली।

**पुल्लिंग**–बंदर, साँप, हिरण।

8. पानी–जल, ठंडा–सर्द, बादल–मेघ, सागर–समुद्र, खेती–कृषि।

9. अधूरा, नीची, नाटा, माला, आसमान, नज़दीक, अनेक, नदी।

10. जानकर, समझकर, उड़कर, पढ़कर, देखकर, सुनकर, बुलाकर, खाकर, सोकर।

## पाठ 16. दिल्ली भ्रमण

- **पाठ उद्देश्य**–दिल्ली के दर्शनीय स्थानों से परिचित कराना।
- **पाठ सार**–सचिन ने अपने मित्र साहिल को पत्र लिखकर दिल्ली के विषय में बताया। उसने लिखा कि दिल्ली देश की राजधानी है। यहाँ सड़कों पर सड़कें बनी हुई हैं। यहाँ चलने वाली ट्रेन को मेट्रो कहते हैं। उसने इंडिया गेट देखा, वॉर मेमोरियल देखा, राष्ट्रपति भवन को बाहर से देखा। कनाट प्लेस देखा जहाँ बहुत बड़ी मार्किट

थी, सेंट्रल पार्क था। वह लाल किला और कुतुबमीनार देखने जाएगा।

## पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) मेट्रो एक प्रकार की ट्रेन है।
   (ख) वॉर मेमोरियल इंडिया गेट के पास बना है।
   (ग) हमारे देश के राष्ट्रपति भवन में रहते हैं।
   (घ) कनॉट प्लेस, लाल किला, कुतुबमीनार आदि।
   (ङ) इंडिया गेट पर विश्व युद्ध में भारत के लिए शहीद हुए सैनिकों के नाम लिखे हैं।

2. (क) ✗ (ख) ✗ (ग) ✓
   (घ) ✓ (ङ) ✓

3. (i) शहीद (ii) देशद्रोही
   (iii) अमर (iv) संभव
   (v) अनुदार।

4. खरा-खोटा, गरल-सुधा, चोर-साधु, दरिद्र-संपन्न, पंडित-मूर्ख।

5. (क) **सोना**–महिलाओं में कनक का आकर्षण अधिक होता है।
   **धतूरा**–कनक का नशा यह हानिकारक होता है।
   (ख) **मतलब**–इस कहावत का अर्थ सरल है।
   **धन**–अर्थ की प्रधानता के कारण संबंध कमज़ोर हो रहे हैं।
   (ग) **अगला दिन**–सुधा कल गाएगी।
   **मशीन**–कलों का शोर प्रदूषण फैलाता है।
   (घ) **पेड़ का भाग**–इस पेड़ की जड़ें गहरी हैं।
   **मूल आधार**–भवन की जड़ ही कमजोर है।

(ङ) **परिणाम**–कल परीक्षाफल घोषित होगा।

**खाने वाला फल**–आम मीठा फल है।

6. (क) दिल्ली (ख) फल (ग) सुबह

(घ) यात्री (ङ) बालक।

## पाठ 17. बंदर और मगरमच्छ

- **पाठ उद्देश्य**–संकट आने पर घबराना नहीं चाहिए। धैर्य के साथ उसका समाधान ढूँढ़ना चाहिए। विद्यार्थियों को इसे स्पष्ट कराना।
- **पाठ सार**–मगरमच्छ और बंदर में गहरी मित्रता थी। बंदर मगरमच्छ को मीठे-मीठे फल खिलाता था। एक दिन बंदर ने मगरमच्छ को उसकी पत्नी के लिए फल भेंट किए। मगरमच्छ की पत्नी फल खाकर प्रसन्न हो गई। उसने मगरमच्छ से पूछा कि उसे ये फल किसने दिए थे। मगरमच्छ ने बताया तो उसकी पत्नी ने सोचा इतने मीठे फल खाने वाले बंदर का कलेजा भी मीठा होगा। उसने मगरमच्छ से कहा कि वह बंदर को ले आए। वह उसका कलेजा खाना चाहती है। अगले दिन मगरमच्छ ने बंदर से कहा कि तुम्हारी भाभी तुमसे मिलना चाहती है। बंदर उसकी पीठ पर बैठ गया। मगरमच्छ अपने घर के निकट पहुँचा। उसने सोचा अब तो बंदर वापिस नहीं लौट सकता। उसने उसे सत्य बता दिया। बंदर पहले तो घबराया फिर कहने लगा कि वह अपना कलेजा पेड़ पर ही छोड़ आया था। मगरमच्छ उसे वापिस ले गया। बंदर पेड़ पर चढ़ गया। उसे मगरमच्छ को धिक्कारते हुए कहा कि कोई भी अपना कलेजा पेड़ पर नहीं रख सकता। तुम कपटी मित्र हो। मगरमच्छ अपना-सा मुँह लेकर लौट गया।

## पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) बंदर जंगल में एक पेड़ पर रहता था।

   (ख) बंदर ने मगरमच्छ की पत्नी के लिए फल दिए थे।

   (ग) मगरमच्छ की पत्नी ने बंदर को लाने के लिए कहा।

   (घ) मगरमच्छ बंदर को अपने घर इसलिए ले जा रहा था ताकि उसकी पत्नी उसे खा सके।

   (ङ) बंदर ने कहा कि उसका कलेजा तो पेड़ पर था।

   (च) किसी पर सोच-समझकर विश्वास करना चाहिए।

2. | 4 | 5 | 2 | 3 | 1 |

3. (क) बंदर ने मगरमच्छ से कहा।

   (ख) बंदर ने मगरमच्छ से कहा।

   (ग) मगरमच्छ ने बंदर से कहा।

   (घ) मगरमच्छ ने पत्नी से कहा।

   (ङ) पत्नी ने मगरमच्छ से कहा।

4. (क) वानर, मर्कट (ख) प्रसन्नता, खुशी

   (ग) विद्वान, ज्ञानी (घ) रात, निशा

   (ङ) कनक, स्वर्ग।

5. (क) **झूठा दु:ख प्रकट करना**–युवक की मृत्यु पर नेता ने घड़ियाली आँसू बहाए।

   (ख) **निश्चिंत होना**–परीक्षाएँ समाप्त होने पर गरिमा घोड़े बेचकर सोई।

   (ग) **ज़िद्दी व्यक्ति**–केसर को मत समझाओ, वह कुत्ते की दुम ही रहेगा।

(घ) **असमंजस की स्थिति**–दबंग रामगोपाल से मित्रता करके शीशपाल की साँप-छछूँतर की स्थिति हो गई।

(ङ) **मतलब निकालना**–अपना उल्लू सीधा करके मायाराम ने मन्नू से मित्रता तोड़ डाली।

6. यह, कब, आप।

7. (क) जगना (ख) सुरेश
   (ग) लंबा (घ) आपा

8. (क) जंगल (ख) बंदर, फल
   (ग) स्वादिष्ट (घ) बंदर

9. (क) दोस्ती (ख) फलों वाले
   (ग) अचंभा (घ) रोज़ाना
   (ङ) परेशान

## पाठ 18. जी होता चिड़िया बन जाऊँ

- **पाठ उद्देश्य**–चिड़िया के स्वतंत्र जीवन के विषय में बताकर स्वतंत्रता का महत्व बताना।
- **पाठ सार**–कवि कहता है कि उसका मन चिड़िया बनने का होता है। वह आकाश में उड़ना चाहता है, टहनियों पर फुदकना चाहता है, हरे-भरे पेड़ पर डोलकर फल खाना चाहता है। चिड़ियों का जीवन बहुत अच्छा होता है, वह उनकी तरह गाना चाहता है, जंगलों में घूमना चाहता है, पर्वत की घाटियों में सैर करके संसार को देखकर इठलाना चाहता है। चिड़ियों का स्वतंत्र जीवन बहुत अच्छा होता है। वह बंधनहीन हैं। मैं भी इनके जैसा जीवन पाना चाहता हूँ।

## पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) इस कविता के कवि सोहन लाल द्विवेदी हैं।
   (ख) उड़ना चाहता है, टहनियों पर फुदकना चाहता है, पेड़ों पर डोलना चाहता है, कुतर-कुतरकर फल खाना चाहता है।
   (ग) चिड़िया का जीवन स्वतंत्र होता है।
   (घ) चिड़िया कुतर-कुतरकर फल खाना चाहती है।
2. (क) चिड़िया डाली पर बैठकर फुदकना चाहती है।
   (ख) चिड़िया बंधनों में नहीं बँधना चाहती।
   (ग) यह कविता हमें स्वतंत्र जीने की प्रेरणा देती है।
3. (क) जंगल जंगल में विचरण करूँ।
   (ख) पर्वत और घाटी की सैर करूँ।
   (ग) सब जग को देखकर इठलाऊँ।
   (घ) जी करता है कि चिड़िया बन जाऊँ।
4. (ख) पहाड़, नग (ख) संसार, विश्व
   (घ) आज़ाद, स्वाधीन (ङ) खग, पखेरू।
5. (क) फुदकती है (ख) कुतर-कुतरकर
   (ग) खुले आकाश में (घ) स्वतंत्र
   (ङ) डोलना (च) सुख।
6. (क) अचछे (ख) बात
   (ग) पानी (घ) चढ़ते
   (ङ) धोना (च) वेश।
7. गरीबी, अमीरी, साहसी, भलाई, धनी, समुद्री, कमाई, बुराई।
8. सुंदरता, सज्जनता, कोमलता, वीरता, उदारता, कठोरता।